

प्रेषक,

मनीषा पंवार,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
समाज कल्याण उत्तराखण्ड,  
हल्द्वानी, नैनीताल।

समाज कल्याण अनुभाग-2

देहरादून दिनांक : 10 अगस्त 2009

विषय : चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्ययक में समाज कल्याण विभाग व उसके अन्तर्गत विकलांग कल्याण, महिला कल्याण व बाल कल्याण से सम्बन्धित विभिन्न योजनाओं के अनुदान संख्या-15 के आयोजनेत्तर/आयोजनागत पक्ष में प्राविधानित धनराशि की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपरोक्त विषयक वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या : 515/XXVII/(1)/2009 दिनांक 28 जुलाई, 2009 की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुये मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्ययक (01 अप्रैल, 2009 से 31 जुलाई, 2009 तक के लेखानुदान सहित) के अनुदान संख्या 15 के आयोजनेत्तर पक्ष में संलग्नानुसार रू0 4,93,56,000/- (रू0 चार करोड़ तिरानबे लाख छप्पन हजार मात्र) एवं आयोजनागत पक्ष में संलग्नानुसार रू0 9,24,000/- (रू0 नौ लाख चौबीस हजार मात्र) अर्थात् कुल रू0 5,02,80,000/- (पाँच करोड़ दो लाख अस्सी हजार मात्र) की धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेजिंग (त्रैमास के आधार पर) अनिवार्य रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए, जिससे राज्य स्तर पर कैशफ्लों निर्धारित किये जाने में किसी प्रकार की कठिनाई न उत्पन्न हो।
2. लेखानुदान द्वारा व्यवस्थित उक्त धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाए, और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाए।
3. उक्त आवंटित धनराशि किसी ऐसी मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका के अन्तर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।
4. यह व्यक्तिगत रूप से सुनिश्चित कर लिया जाए कि आवश्यकतानुसार आवंटित धनराशि के प्रत्येक बिल में चाहें वो वेतन आदि के सम्बन्ध में हो अथवा आकस्मिक व्यय के सम्बन्ध में सम्पूर्ण मुख्य /लघु/उप तथा विस्तृत शीर्षक को अंकित किया जाए और प्रत्येक बिल में दाहिनी और लाल स्याही से अनुदान संख्या-15 तथा आयोजनेत्तर/आयोजनागत शब्द स्पष्ट लिखा जाए, अन्यथा महालेखाकार कार्यालय में सही बुकिंग में बाधा होगी।
5. संलग्नक में वर्णित धनराशियों का समय से उपयोग करने के लिए यह भी सुनिश्चित कर लें कि धनराशि परिधिगत अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाए, आवंटन एवं व्यय की स्थिति से यथासमय शासन को अवगत कराया जाए।
6. मितव्ययता के सम्बन्ध में नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। अवचनबद्ध मदों में व्यय करने से पूर्व वित्त विभाग की सहमति प्राप्त की जाए।

7. यदि किसी अधिष्ठान/योजनाओं के अन्तर्गत अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता हो तो अतिरिक्त धनराशि की मांग का औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
  8. अप्रयुक्त धनराशि वित्तीय हस्तपुस्तिका के प्राविधानों के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
  9. उपर्युक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन अपने एवं अधीनस्थ स्तरों पर भी सुनिश्चित करें।
  10. समस्त उपकरण व संयंत्र का क्रय, वाहन का क्रय एवं कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का क्रय की स्वीकृतियों के लिए औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को पृथक से उपलब्ध कराएँ।
  11. बी0एम0-13 पर संकलित मासिक सूचनाएं नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
  12. किसी भी शासकीय व्यय हेतु प्रोक्योरमेन्ट रूल्स 2008 वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकार प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम) आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
  13. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के अनुदान संख्या-15 के आयोगागत/आयोजनेत्तर पक्ष के अन्तर्गत संलग्न तालिका में उल्लिखित लेखाशीर्षकों की सुसंगत प्राथमिक इकाइयों के नामें डाला जायेगा।
- संलग्नक : यथोक्त

भवदीय,

( मनीषा पंवार )  
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या : 512/XVII-02/09-बजट 10(18)/2009 तददिनांकित।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. समस्त मण्डलायुक्त/जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
3. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
5. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. समस्त जिला समाज कल्याण अधिकारी, उत्तराखण्ड।
7. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
8. राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. समाज कल्याण, नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. आदेश पंजिका।

आज्ञा से,

( धीरेन्द्र सिंह दताल )  
उप सचिव।



लेखाशीर्षक : 2235-02-101-04-00  
 मुख्य शीर्षक : 2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण  
 उप मुख्य शीर्षक : 02-समाज कल्याण  
 लघु शीर्षक : 101-विकलांग व्यक्तियों का कल्याण  
 उप शीर्षक : 04-विभिन्न श्रेणी के विकलांगों के लिए आश्रित कर्मशालाएं व प्रशिक्षण केन्द्र  
 ब्यौरेवार शीर्षक : 00-

(धनराशि हजार रुपये में)

मानक मद	आवंटित धनराशि
01-वेतन	3000
02-मजदूरी	5
03-महंगाई भत्ता	750
06-अन्य भत्ते	450
09-विद्युत देय	25
10-जलकर/जलप्रभार	10
17-किराया, उपशुल्क और कर-स्वामित्व	425
27-चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	20
41-भोजन व्यय	150
योग	4835

(रुपये अड़तालीस लाख पैंतीस हजार मात्र)

लेखाशीर्षक : 2235-02-102-04-00  
 मुख्य शीर्षक : 2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण  
 उप मुख्य शीर्षक : 02-समाज कल्याण  
 लघु शीर्षक : 102-बाल कल्याण  
 उप शीर्षक : 04-परिवीक्षा सेवा क्षेत्र  
 ब्यौरेवार शीर्षक : 00-

(धनराशि हजार रुपये में)

मानक मद	आवंटित धनराशि
01-वेतन	5200
03-महंगाई भत्ता	1300
06-अन्य भत्ते	780
09-विद्युत देय	50
10-जलकर/जलप्रभार	10
13-टेलीफोन पर व्यय	50
17-किराया उपशुल्क और कर स्वामित्व	50
योग	7440

(रु० चौहत्तर लाख चालीस हजार मात्र)

अनुदान संख्या-15

आयोजनेत्तर

मतदेय

लेखाशीर्षक : 2235-02-103-03-00  
 मुख्य शीर्षक : 2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण  
 उप मुख्य शीर्षक : 02-समाज कल्याण  
 लघु शीर्षक : 103-महिला कल्याण  
 उप शीर्षक : 03- महिलाओं के कार्यक्रमों के मूल्यांकन की योजना  
 ब्यौरेवार शीर्षक : 00-

(धनराशि हजार रुपये में)

मानक मद	आवंटित धनराशि
01-वेतन	170
03-मंहगाई भत्ता	43
06-अन्य भत्ते	26
योग	239

(रु० दो लाख उनतालीस हजार मात्र)

अनुदान संख्या-15

आयोजनेत्तर

मतदेय

लेखाशीर्षक : 2235-02-103-09-00  
 मुख्य शीर्षक : 2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण  
 उप मुख्य शीर्षक : 02-समाज कल्याण  
 लघु शीर्षक : 103-महिला कल्याण  
 उप शीर्षक : 09-अनैतिक व्यापार निरोधक अधिनियम 1956 के अधीन अतिरिक्त उद्धार संगठनों की स्थापना  
 ब्यौरेवार शीर्षक : 00-

(धनराशि हजार रुपये में)

मानक मद	आवंटित धनराशि
01-वेतन	170
03-मंहगाई भत्ता	43
06-अन्य भत्ते	26
योग	239

(रु० दो लाख उनतालीस हजार मात्र)

अनुदान संख्या-15

आयोजनेत्तर

मतदेय

लेखाशीर्षक : 2235-02-104-03-00  
 मुख्य शीर्षक : 2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण  
 उप मुख्य शीर्षक : 02-समाज कल्याण  
 लघु शीर्षक : 104-वृद्ध अशक्त, दुर्बल तथा निस्सहाय निराश्रित व्यक्तियों का कल्याण  
 उप शीर्षक : 03-वृद्ध एवं अशक्त व्यक्तियों के लिये आवास गृह  
 ब्यौरेवार शीर्षक : 00

(धनराशि हजार रुपये में)

मानक मद	आवंटित धनराशि
01-वेतन	650
03-मंहगाई भत्ता	163
06-अन्य भत्ते	98
09-विद्युत देय	30
10-जलकर/जलप्रभार	10
17-किराया उपशुल्क और कर स्वामित्व	50
41-भोजन व्यय	300
योग	1301

(रु० तेरह लाख एक हजार मात्र)

अनुदान संख्या-15

आयोजनेत्तर

मतदेय

लेखाशीर्षक : 2235-02-104-04-00  
 मुख्य शीर्षक : 2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण  
 उप मुख्य शीर्षक : 02-समाज कल्याण  
 लघु शीर्षक : 104-वृद्ध अशक्त, दुर्बल तथा निस्सहाय निराश्रित व्यक्तियों का कल्याण  
 उप शीर्षक : 04-भिक्षावृत्ति का निवारण  
 ब्यौरेवार शीर्षक : 00

(धनराशि हजार रुपये में)

मानक मद	आवंटित धनराशि
01-वेतन	3000
03-मंहगाई भत्ता	750
06-अन्य भत्ते	450
09-विद्युत देय	100
10-जलकर/जलप्रभार	5
13-टेलीफोन पर व्यय	10
41-भोजन व्यय	400
योग	4715

(रु० सैंतालीस लाख पन्द्रह हजार मात्र)

(धनराशि हजार रु० में)

अनुदान संख्या-15 (आयोजनेत्तर) का कुल योग	49356
--	-------

*anika*

(रु० चार करोड़ तिरानबे लाख छप्पन हजार मात्र)



लेखाशीर्षक : 2235-02-102-07-00  
 मुख्य शीर्षक : 2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण  
 उप मुख्य शीर्षक : 02-समाज कल्याण  
 लघु शीर्षक : 102-बाल कल्याण  
 उप शीर्षक : 07-संस्थानों/गृहों का संचालन  
 ब्यौरेवार शीर्षक : 00-

(धनराशि हजार रुपये में)

मानक मद	आवंटित धनराशि
01-वेतन	400
03-मंहगाई भत्ता	100
04-यात्रा व्यय	22
06-अन्य भत्ते	60
09-विद्युत देय	40
13-टेलीफोन पर व्यय	2
41-भोजन व्यय	300
योग	924

(रु० नौ लाख चौबीस हजार मात्र)

(धनराशि हजार रु० में)

अनुदान संख्या-15 (आयोजनागत) का कुल योग	924
--	-----

(रु० नौ लाख चौबीस हजार मात्र)

(धनराशि हजार रु० में)

अनुदान संख्या-15 (आयोजनागत व आयोजनेत्तर) का महायोग	50280
--	-------

(रु० पाँच करोड़ दो लाख अस्सी हजार मात्र)

  
 ( मनीषा पंवार )  
 सचिव।